चार्ल्स विनिक ने नातेदारी को परिभाषित करते हुए लिखा है, "नातेदारी व्यवस्था में समाज द्वारा मान्यता प्राप्त वे सम्बन्ध आ सकते हैं जो कि अनुमानित और वास्तविक वंशावली सम्बन्धों पर आधारित हों।"[1]

रेडक्लिफ ब्राउन के अनुसार, "नातेदारी सामाजिक उद्देश्यों के लिए स्वीकृत वंश सम्बन्ध है जो कि सामाजिक सम्बन्धों के परम्परात्मक सम्बन्धों का आधार है।"[2]

डॉ. रिवर्स के अनुसार, "बन्धुत्व की मेरी परिभाषा उस सम्बन्ध से है जो वंशावलियों के माध्यम से निर्धारित तथा वर्णित की जा सकती है।"[3]

लूसी मेयर के अनुसार, "बन्धुत्व में सामाजिक सम्बन्धों को जैविक शब्दों में व्यक्त किया जाता है।"[4]

रॉबिन फॉक्स के अनुसार, "नातेदारी की अत्यन्त सरल परिभाषा यह है कि "नातेदारी केवल मात्र स्वजन अर्थात् वास्तविक, ख्यात अथवा कल्पित समरक्तता वाले व्यक्तियों के मध्य सम्बन्ध है।"[5]